दैनिक
न्याय साक्षी

संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-सेहत-फीचर-खाना खजाना- राशिफल

रायगढ़, बुधवार 29 दिसंबर 2021

www.nyaysakshi.com

संपादकीय

शादी के लिए कानूनी उम्र सीमा 21 वर्ष

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाल ही में लड़कियों की शादी की कानून उम्र 18 से बढ़ाकर 21 वर्ष करने की मंजूरी दी है। हालांकि इसके पीछे मुख्य कारण कम उम्र में होने वाली शादियों को रोकना है, फिर भी इसकी गहराई में जाएं तो कई बातें सामने आती हैं, जिन पर ध्यान देना जरूरी है। आंकड़ों की बात करें, तो नैशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 से यह बात निकली है कि 23 प्रतिशत महिलाओं की शादी 18 वर्ष से कम उम्र में होती है। देश में यह प्रयास चल रहा है कि 18 वर्ष से कम उम्र में लड़कियों की शादी न हो। अब हालात बदल गए हैं और 56 प्रतिशत लड़कियों की शादी 21 वर्ष से कम उम्र में होने लगी है। अगर कानून आ जाता है तो 21 वर्ष से कम उम्र की लड़कियों की शादियां गैरकानूनी हो जाएंगी। इसका मतलब यह हो जाता है कि आज के समय में जितनी शादियां हो रही हैं, उसकी आधी शादियां गैरकानूनी की श्रेणी में आ जाएंगी। इस कानून को कैसे लागू किया जाए, यह ठीक से समझने की जरूरत है। पहली बात, कम उम्र की शादियों का मामला अब घटता जा रहा है। 15-20 सालों से देखा जा रहा है कि लड़कियों की शादी की औसत उम्र बढ़ रही है। इसके अलग-अलग कारण हैं। विस्तार में न भी जाएं तो इतना जरूर कहा जा सकता है कि सिर्फ कानून पारित होने से शादी की उम्र नहीं बढ़ेगी। उसके लिए और भी बहुत कुछ करने की जरूरत है। यह भी कि लड़कियों की शादी की उम्र 18 से 21 वर्ष करने का बहुत कुछ लॉजिक नहीं है। 18 से कम उम्र में वे बच्चे होते हैं और बच्चों का अपना हक होता है। यह माना जाता है कि 18 साल तक लोग अपने-आप निर्णय नहीं ले सकते हैं क्योंकि उनकी इमोशनल, मेंटल, फिजिकल मच्योरिटी अभी आई नहीं होती है। लेकिन 18 साल के बाद जब हम कहते हैं कि वे सरकार चुन सकती हैं या कोई और भी निर्णय ले सकती हैं, तो शादी क्यों नहीं कर सकतीं? चाइल्ड मैरिज कानून का ज्यादातर इस्तेमाल कौन करता है? यदि इस मसले को हम देखें तो माता-पिता और समुदाय इसका इस्तेमाल तब करते हैं, जब लड़की अपने मन से शादी करना चाहती है। माता-पिता जब उस शादी को पसंद नहीं करते हैं, तब लड़कियां घरों से भाग जाती हैं और चॉइस मैरिज करना चाहती हैं। ऐसे में लड़की के माता-पिता उस कानून का इस्तेमाल करना चाहते हैं, ताकि लड़की अपनी मर्जी से शादी न करे और उसे घर वापस लाया जा सके। अब तक जो कानून चला है, वह लड़कियों की तरफ से नहीं चला है, बल्कि उनके खिलाफ चला है। यह भी सोचने की जरूरत है कि कम उम्र में होने वाली शादियां रोकने के लिए कानून बनाने के साथ-साथ और क्या स्टेप्स लेने चाहिए। हम फिर से अपने अनुभवों से देखें कि बाल विवाह क्यों होता है, किन परिवारों में होता है तो स्पष्ट होता है कि ज्यादातर गरीब और कम पढ़े-लिखे परिवारों में ऐसा होता है। ये परिवार क्यों ऐसा फैसला करते हैं? इसका एक बड़ा कारण यह भी सामने आता है कि माता-पिता को अपनी बेटी की सेफ्टी की बहुत चिंता होती है। उन्हें लगता है कि जब लड़की मच्योर हो जाए तो ज्यादा समय उसे घरों में रखेंगे तो पता नहीं उसे सुरक्षित रख पाएंगे या नहीं। समाज क्या कहेगा? स्पष्ट है कि कानून से ज्यादा जरूरी है ऐसा माहौल बनाना, जिससे यह डर नहीं रहे। उन्हें समझाना होगा कि लड़कियां पढ़ाई करना चाहती हैं, नौकरी करना चाहती हैं, तो उन्हें ऐसा करने देने में कोई हर्ज नहीं है। यह भी कि शादी के लिए जल्दीबाजी करने की कोई ठोस, तर्कसंगत वजह नहीं है। अगर आसपास स्कूल, कॉलेज अच्छे हों, पढ़ाई करने के बाद लड़कियों को नौकरियां मिल रही हों, तब अपने आप ही देखा गया है कि शादी की औसत उम्र खुद ही बढ़ जाती है। एक और जो कारण दिया जाता है कि बाल-विवाह को रोकना जरूरी है तो इसमें देखा जाता है कि लड़कियां किस लेवल तक पढ़ती हैं। लड़कियों को हम जितना पढ़ाएंगे, बाल विवाह उतना कम होगा, न कि जोर-जबर्दस्ती करके अरेंज्ड मैरिज बढ़ाने की कोशिश करने पर। यह अपने आप नहीं होगा।

- दीपा सिन्हा

बजट में हरित-उद्योगों को दिया जाए प्रोत्साहन : उद्योग मंडल

नई दिल्ली। उद्योग मंडल फिक्की, सीआईआई सहित विभिन्न उद्योग मंडलों ने बजट में हरित उद्योग को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन दिए जाने की सिफारिया की है ताकि पर्यावरण अनुकूल उत्पादों का बाजार देश में बढ़े।

भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) ने वित्त मंत्रालय को प्रेषित आने बजट पूर्व ज्ञापन में सुझाव दिया है कि हरित प्रौद्योगिकी में निवेश करने वाली कंपनियों को भी 15 प्रतिशत की रियायती दर का लाभ दिया जाए।

उद्योग मंडल का यह भी सुझाव है कि हरित प्रौद्योगिकी वाली सम्पत्तियों का अधिग्रहण करने वाली कंपनियों को निवेश पर पूरी कर-कटौती का लाभ दिया जाना चाहिए। फिक्की का कहना है कि इससे पुरानी प्रौद्योगिकी की जगह हरित प्रौद्योगिकी के प्रयोग को प्रोत्साहन मिलेगा। संगठन का कहना है कि शुद्ध कार्बन उत्सर्जन को शून्य करने की भारत की प्रतिबद्धता पूरा करने के लिए हरि प्रौद्योगिकी का प्रयोग जरूरी है।

उल्लेखनीय है कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन में 2027 तक निवल कार्बन उत्सर्जन शून्य करने की प्रतिबद्धता जताई है।

उद्योग मंडल सीआईआई ने सरकार को हरित उत्पादों की खरीद की नीति लाने का सुझाव दिया है ताकि ऐसे उत्पादों की खरीद को प्रोत्साहन मिले जिनका पर्यावरण और जन स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव कम से कम होता हो।

उद्योगमंडल पीएचडी ने कहा है कि सरकार को स्वस्थ विकास की दिशा में अच्छा काम करने वाली कंपनियों को अपेक्षाकृत अधिक प्रोत्साहन दिए जाने की नीति अपनाने का सुझाव दिया है।

पीएचडी का सुझाव है ऊंचा 'ट्रस्ट मार्क' पाने वाली कंपनियों को त्वरित मंजूरी, हरित उत्पादों पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क में कमी और आयकर के मामले में भारित छूट दिए जाने की सिफारिश की है, भले ही वे कंपनियां आयकर की 15बीएए या 115बीएबी के तहत कर की रियायती दर का विकल्प चुना हो।

पीएचडी ने कहा है कि ट्रस्ट मार्क रेटिंग व्यवस्था को विकसित करने में सरकार का सहयोग मिले ताकि उपभोक्ताओं को यह पता हो कि वे जिस कंपनी का माल खरीद रहे हैं, वह पर्यावरण और समाज पर कितना ध्यान देती है।

शेयर बाजार में दिखी रौनक, सेंसेक्स 57,900 अंक के स्तर पर हुआ बंद

नई दिल्ली। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन यानी आज भारतीय शेयर बाजार में तेजी रही। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 477.24 अंक या 0.83 फीसदी की बढ़त के साथ 57,897.48 अंक पर बंद हुआ। अगर निफ्टी की बात करें तो 147 अंक या 0.86 फीसदी की तेजी के साथ 17,233.25 अंक पर रहा। बीएसई इंडेक्स के टॉप 30 शेयरों की बात करें तो इंडसइंड बैंक, पावरग्रिड में गिरावट रही। वहीं, बढ़त वाले शेयरों में एशियन पेंट सबसे आगे रहा। एशियन पेंट के अलावा सनफार्मा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अल्ट्राटेक और टाइटन के स्टॉक में 2 फीसदी से ज्यादा की तेजी रही।

1 जनवरी से बदल रहे बैंक लॉकर के नियम, इस मामले में 100 गुना तक मिलेगा मुआवजा

नई दिल्ली। नए साल की शुरुआत होने वाली है। इस नए साल में आम लोगों की जरूरत से जुड़े कई नियम बदल जाएंगे। ऐसे ही कुछ नियम बैंक लॉकर के हैं। आइए जानते हैं कि साल 2022 में बैंक लॉकर से जुड़े कौन से नियम बदलने वाले हैं। रिजर्व बैंक की गाइडलाइन के मुताबिक जिस परिसर में सुरक्षित जमा लॉकर हैं, उसकी सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी बैंक की होगी। इसमें कहा गया है कि लॉकर में आग, चोरी, डकैती या सेंधमारी की स्थिति में बैंक अपने दायित्व से नहीं हट सकता। इन मामलों में बैंक का दायित्व लॉकर के वार्षिक किराये का सौ गुना तक हो जाएगा। मतलब ये हुआ कि बैंक ग्राहक को लॉकर के सालाना किराये का 100 गुना तक देगा।

हालांकि, प्राकृतिक आपदा या 'एक्ट ऑफ गॉड' यानी भूकंप, बाढ़, आकाशीय बिजली या आंधी-तूफान की स्थिति में बैंक किसी नुकसान के लिए जिम्मेदार नहीं होगा। आरबीआई की गाइडलाइन बताती है कि बैंकों को अपने परिसर को इस तरह की आपदाओं से बचाने के लिए उचित इंतजाम करने की जरूरत होगी।

नए साल पर स्पाइसजेट ने पेश किया आकर्षक ऑफर

नई दिल्ली। देश में घरेलू उड़ान की सुविधा मुहैया कराने वाली निजी कंपनी स्पाइसजेट ने ओमिक्रॉन के बढ़ते खतरे के बीच यात्रियों को आकर्षित करने के लिए टिकट के दामों में कटौती करते हुए आकर्षक ऑफरों की घोषणा की है।

कंपनी ने विभिन्न गंतव्य के लिए एक ओर का किराया मात्र 1122 रूपये किये जाने का आर्कषक ऑफर यात्रियों को दिया है। इस ऑफर में 15 जनवरी से 15 अप्रैल के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को 31 दिसंबर तक अपना टिकट बुक कराना होगा।

एयरलाइन की ओर से दी गयी जानकारी के अनुसार यात्रियों को उनकी योजना में थोड़ा बदलाव होने की स्थिति में भी एक सुविधा दी गयी है। इस सुविधा के अनुसार बिके हुए टिकटों पर यात्री एक बार तारीख में बदलाव कर सकते हैं। इस ऑफर के तहत आरक्षित किये गये टिकट की तारीख भी यात्री अपने यात्रा योजना के अनुरूप बदल भी सकते है।

हवाई यात्रा उद्योग की जाने माने हस्ती तथा स्टिक ट्रैवल के अध्यक्ष सुभाष गोयल ने कहा कि देश में जब से ओमिक्रॉन का खतरा फिर से सिर उठाने लगा है तब से लेकर पर्यटक तथा कॉरपोरेट दोनों ही वर्ग के यात्री अपनी यात्राओं को रद्द कर रहे हैं। उन्होंने हालांकि उम्मीद जतायी कि कोरोना का यह नया स्वरूप डेल्टा से घातक नहीं होगा और इस बार हवाई यातायात उद्योग को इसके कारण कम नुकसान होगा।

उड्डयन उद्योग सर्दियों के मौसम में ज्यादा कमाई करता हैं लेकिन कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच वह केवल स्थिति सामान्य होने की उम्मीद लगाये हुए हैं। महामारी के खतरे को देखते हुए राज्य सरकारें यात्राओं पर प्रतिबंध लगा रही हैं ताकि वायरस के प्रसार की आशंकाओं को सीमित किया जा सके। इसी कारण टिकटों की पूर्व बुकिंग करा चुके यात्रियों को पैसा एयरलाइन के पास फंस गया है और एयरलाइंस की खस्ता आर्थिक हालत को देखते हुए यात्रियों को उनका पैसा समय से वापस मिलने की संभावनाएं भी कम हो सकती हैं।

ओमिक्रॉन का कहर शुरू, हवाई सफर पर लगा ग्रहण, दुनियाभर में 11,500 फ्लाइट्स रद्द

न्यूयॉर्क। कोरोना वायरस के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन का कहर दिखना शुरू हो गया। अमेरिका और ब्रिटेन समेत कई देशों में ओमिक्रॉन के खतरे के बीच कोरोना के मामलों में तेजी आई है। सरकारें कड़े प्रतिबंध लागू करने के लिए विवश हैं। यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका के कई राज्यों में कोरोना के मामले रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बाद कई उड़ानों को रद्द किया गया है। ये फ्लाइट्स ऐसे समय रद्द हुई हैं जब क्रिसमस के मौके पर दुनियाभर के सैलानी ट्रैवल पर निकलते हैं। उड़ानें रद्द होने से मुसाफिर निराश हैं।

मौजूदा समय यात्रा के लिहाज से साल के सबसे व्यस्त समय में से एक है। शुक्रवार से लेकर आज तक करीब 11,500 उड़ानों को रद्द किया गया है जबकि हजारों फ्लाइट्स की उड़ान में देरी हुई है। कई एयरलाइन कंपनियों का कहना है कि कोरोना वायरस के ओमिक्रॉन वेरिएंट के मामलों में तेजी के चलते स्टाफ की कमी हो गई है। उड़ानों पर नजर रखने वाली फ्लाइटअवेयर के मुताबिक, इसका असर दुनियाभर में पड़ा है। सोमवार को करीब तीन हजार उड़ानों को रद्द किया जबकि मंगलवार को 1100 और फ्लाइटों को रद्द किया गया है।

बीसीसीआई ने घरेलू अंतरराष्ट्रीय मैचों और आईपीएल के लाइव प्रोडक्शन के लिए मंगाए कोटेशन

नईदिल्ली । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने घरेलू अंतरराष्ट्रीय मैचों और आईपीएल के लाइव प्रोडक्शन के दौरान इस्तेमाल की जाने वाली ब्रॉडकास्ट ग्राफिक्स सर्विसेज (उपकरण और कार्मिक) के प्रावधान के लिए कोटेशन आमंत्रित किए।

बीसीसीआई ने कहा कि बीसीसीआई प्रतिष्ठित संस्थाओं से प्रसारण ग्राफिक्स सेवाएं प्रदान करने के अधिकार और दायित्वों को प्राप्त करने के लिए कोटेशन आमंत्रित करता है, जिसमें निविदा प्रक्रिया के माध्यम से बीसीसीआई के घरेलू अंतरराष्ट्रीय मैचों और आईपीएल के लाइव प्रोडक्शन के दौरान इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरणों और कर्मचारियों का प्रावधान शामिल है। इस तरह बीसीसीआई घरेलू अंतरराष्ट्रीय मैचों और आईपीएल के लाइव प्रोडक्शन के दौरान इस्तेमाल की जाने वाली प्रसारण ग्राफिक्स सेवाओं (उपकरण और कार्मिक) के प्रावधान के लिए रिक्वेस्ट फॉर कोटेशन (आरएफक्यू) जारी कर रहा है।

बीसीसीआई के मुताबिक आरएफक्यू एक लाख रुपए के गैर-वापसी योग्य शुल्क के भुगतान की प्राप्ति पर उपलब्ध कराया जाएगा। आरएफक्यू को सात जनवरी, 2022 तक प्राप्त किया जा सकता है। बीसीसीआई ने विज्ञप्ति में कहा, इच्छुक पार्टियों से अनुरोध है कि आरएफक्यू खरीदने के लिए और विवरण प्राप्त करने के लिए आरएफक्यू@बीसीसीआई.टीवी पर ईमेल करें। आरएफक्यू का अनुरोध करने वाले ईमेल के विषय में ' ब्रॉडकास्ट ग्राफिक्स सेवाओं के लिए आरएफक्यू-बीसीसीआई घरेलू अंतरराष्ट्रीय मैच और इंडियन प्रीमियर लीग' लिखा होना चाहिए।' कोटेशन जमा करने के इच्छुक किसी भी पार्टी के लिए आरएफक्यू खरीदना आवश्यक है, हालांकि आरएफक्यू में निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाली और उसमें निर्धारित अन्य नियमों और शर्तों के अधीन पार्टियां ही कोटेशन जमा करने के लिए पात्र होंगी। यह स्पष्ट किया जाता है कि केवल आरएफक्यू खरीदने से कोई भी व्यक्ति कोटेशन जमा करने का हकदार नहीं हो जाता है।

स्पोर्ट्स ड्रामा सीरीज 'स्पाइक' में आएंगी नजर रसिका दुग्गल

अपने शानदार अभिनय के लिए मशहूर अभिनेत्री रसिका दुग्गल बहुत ही जल्द एक और धमाकेदार प्रोजेक्ट से दर्शकों का दिल जितने के लिए तैयार है. रसिका 'मिर्जापुर' सीरीज से लोगों के दिलों घर कर चुकी है. जी हां, निष्ठा शैलाजन और धवल शाह की सीरीज़ 'स्पाइक' में वर्सटाइल अभिनेत्री रसिका दिखाई देंगी और पहली बार वो स्पोर्ट्स से जुड़े किसी सीरीज में अपने अभिनय का प्रदर्शन करेंगी. अब तक दर्शकों ने रसिका को कई रूप में अभिनय करते हुए देखा है मगर अब वो खेल के मैदान में वॉलीबॉल कोच की भूमिका निभाती हुई दिखाई देंगी. अपने आप को पूरी तरह से किरदार में ढालने के लिए इन्होने मुंबई में 3 महीने वॉलीबॉल को सीखा हैं.

रसिका एक मंजी हुई कलाकार है. इन्होंने अपना प्रशिक्षण पूरा करने के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश में पहला शूटिंग शेड्यूल भी पूरा कर लिया हैं. अपने करियर के दौरान ये कई तरह की भूमिका निभा चुकी है और हर प्लेटफार्म पर अपने अभिनय का लोहा मनवा चुकी हैं. रसिका इस स्पोर्ट्स ड्रामा 'स्पाइक' सीरीज में मुख्य भूमिका निभा रही है और इस तरह के जॉनर में वो पहली बार दिखाई देगी.

अपने इस नए जॉनर को लेकर उत्साहित रसिका का कहना है कि मुझे स्पोर्ट्स ड्रामा देखना बहुत पसंद है. यह एक ऐसा जॉनर है जो सूत्रित के बावजूद भी मुझे काफी उत्साहित करता हैं. मैं इस बात से बहुत खुश हूं कि मुझे यह रोल ऑफर किया गया.

शुभ लाभ में मास्टरशेफ की भूमिका निभाएंगे आशीष कपूर

अभिनेता आशीष कपूर शुभ लाभ - आपके घर में के अपकमिंग एपिसोड में मास्टरशेफ की भूमिका निभाते हुए नजर आने वाले हैं। उन्होंने अपनी भूमिका को लेकर बात की। शो में प्रवेश करने पर, आशीष ने कहा कि नए अनुभव हमेशा रोमांचक होते हैं, क्योंकि यह विभिन्न पात्रों को तलाशने के अवसर देते हैं। यह वास्तव में विशेष है, क्योंकि मैं टेलीविजन पर पहली बार शेफ का किरदार कर रहा हूं और मैं यह देखने के लिए तैयार हूं कि आने वाले एपिसोड में यह कैसा होगा।

ये रिश्ता क्या कहलाता है के अभिनेता ने आगे साझा किया कि कैसे शो में उनकी प्रविष्टि आने वाले एपिसोड में बदलाव लाएगी और साथ ही उनका ऑन-स्क्रीन चरित्र सुनील मुख्य नायक सविता (गीतांजलि टिकेकर द्वारा अभिनीत), वैभव (गीतांजलि टिकेकर द्वारा अभिनीत) के बेटे की खाना पकाने के अपने असली जुनून का एहसास दिलाने में मदद करेगा।

आज का राशिफल

मेषः आज का दिन आपके लिए चुनौतीपूर्ण रहेगा। तुला राशि का चंद्रमा आपके सामने ढ़ेर सारी जिम्मेदारियां खड़ी करेगा।

वृषभः राशि का स्वामी अष्टम धनु राशि का होने से आयु भाव में हो गया है। राजनितिक प्रतिद्वंदी आज आपसे आगे निकलने का प्रयास करेंगे।

मिथुनः आज का दिन आपके लिए सामान्य है। राशि का स्वामी बुध अष्टम भाव भाव प्रमुख त्रिकोण में शनि के साथ बैठकर बौद्धिक तथा व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता कारक है।

ककर्ः आज शुभ कार्यों में आपकी दिलचस्पी बढ़ेगी। आपके द्वारा लिया गया निर्णय आगे लाभप्रद रहेगा। संतान पक्ष के विवाह में आ रही अड़चन समाप्त होंगी।

सिंहः आज भाग्य हर काम में आपका साथ देगा। विरोधियों का षड़यंत्र असफल रहेगा। सांसारिक सुख भोग के साधनों पर शुभ व्यय होने से मन में हर्ष होगा।

कन्याः राशि का स्वामी बुध व शनि दोनों आज पंचम त्रिकोण भाव में संचार कर रहे हैं। फलस्वरूप वृद्धजनों की सेवा तथा पुण्य कार्यों पर धन व्यय होने से मन में हर्ष रहेगा।

तुलाः आपकी राशि का स्वामी शुक्र तृतीय भाव में और आज सूर्य भी धनुः का शुक्र के साथ ही है। अत्यधिक श्रम करने पर भी आय कम और व्यय अधिक होगा।

वृश्चिकः आपकी राशि से चतुर्थ बृहस्पति योग शनि से आज का दिन चुनौतीपूर्ण रहेगा। कोई महत्वपूर्ण व्यवसायिक अनुबंध आपके पक्ष में फाइनल हो सकता है।

धनुः राशि का स्वामी बृहस्पति कुंभ में है। चंद्रमा आज तुला राशि एकादश भाव में संचार कर रहा है। रात्रि में शुभव्यय-मंगलमय समारोह में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त होगा।

मकरः राशि का स्वामी शनि यद्यपि प्रथम भाव में मार्गी है किन्तु चन्द्रमा जो दैनिक जीवन का बीज है, नवम भाव में राज्य विजय कारक है।

कुंभः राशि का स्वामी शनि द्वादश व्यय भाव में स्वतन्त्र रूप से संचार कर रहा है। कर्म फल की सिद्धि कारक है।

मीनः आपकी राशि का स्वामी देव गुरू बृहस्पति राशि से द्वादश भाव में कुंभ राशि का होकर विद्यमान है।

घर में भी बनाएं मार्केट जैसे एगलेस जीरा बिस्किट्स

चाय के साथ अगर आपको भी बिस्किट्स खाने की आदत है और खासतौर से जीरा बिस्किट्स। तो आप घर में भी इसे बना सकती हैं इस रेसिपी को फॉलो कर।

सामग्री :

2 कप मैदा, 1/2 कप मक्खन, 1/4 कप पीसी चीनी, 1 टीस्पून जीरा, 1/4 या 3/4 नमक, 1-2 टीस्पून दूध आवश्यकतानुसार

विधि :

- जीरे को हल्का भून लें। खुशबू आने लगे तो गैस बंद कर दें ओर उसे ठंडा होने दें। ठंडा होने के बाद बेलन या किसी चीज़ की मदद से उसे थोड़ा क्रश कर लें। मक्खन को एक एक बाउल में निकाल लें जिससे वो थोड़ा सॉफ्ट हो जाए। एक बाउल में 3/4 चम्मच जीरा और नमक मिक्स करें।

- इसके बाद इसमें मक्खन और पीसी चीनी डालकर अच्छे से मिक्स करें। जब तक कि उसका टेक्सचर थोड़ा क्रीमी न हो जाए। अब बारी है इसमें मैदा डालने की। एक साथ सारा मैदा न डालें। धीरे-धीरे करके डालें जिससे इसके गूंधा जा सके। आवश्यकतानुसार इसमें दूध का इस्तेमाल करें। अब इसे आटे को बेल लें। बहुत पतला नहीं बेलना है इतना होना चाहिए जैसे बिस्किट होता है। फिर उन्हें कटर से शेप दें। ऊपर से उस पर और जीरा छिड़क दें। ओवन में 12-15 मिनट तक इसे सेक लें। ज्यादा क्रिस्पी करना हो तो 15-18 मिनट सेंक लें।

- ओवन से निकालकर पांच मिनट ठंडा होने दें। फिर इसे किसी एयर टाइट डिब्बे में भरकर रख दें और एंजॉय करें चाय के साथ।

शब्द सामर्थ्य- 303

बाएं से दाएं

1. अभिमान, घमंड, अनुमान 4. बादल, मेघ, जलद (सं) 6. अधिकार वाला, अधिकारी 8. गति, सामंजस्य, समा जाना 10. कारावास, जेल 11. जोर, शक्ति, जान, सांस 12. राजाओं के रहने का भवन 15. मालामाल, अमीर, धनवान 18. नाव खेने का यंत्र 20. 'खन' ध्वनि उत्पन्न होना, पायल आदि का शब्द करना 21. मार डाला हुआ, घायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा।

ऊपर से नीचे

1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पत्ता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूंद, अंश 9. मृत्यु के देवता 13. संसार, दुनिया, जग 14. हुजूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सच्चा, धर्मनिष्ठ, ईमानवाला 17. अनूठा, बांका, अनुपम, छैला 18. आश्रय, शरण 19. साधुवाद, प्रशंसा 20. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग 23. गम, मातम, दुख।

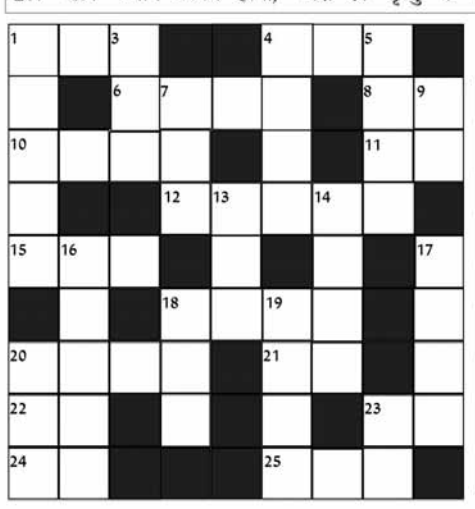

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 302 का हल

स्मृ	ति	■	पा	व	क	■	बे	ल
■	र	ज	नी	च	र	■	■	ट्टू
मु	स्का	न	■	न	म	की	न	■
सा	र	■	स	■	■	ट	ख	ना
फि	■	अ	जा	य	ब	■	रा	जा
र	च	ना	■	था	ल	■	■	य
■	■	धि	■	र्थ	■	स	मा	ज
उ	प	कृ	त	■	आ	वा	ज	■
ल्लू	■	त	■	■	ब	ल	रा	म

सू-दोकू- 303

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.302 का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2